ज्ञानगंगा घरोघरी

Yashwantrao Chavan Maharashtra Open University

Nashik – 422 222

NAAC Accredited 'A' Grade

स्नातकोत्तर एम.ए. हिंदी शिक्षाक्रम (M51)

काव्यशास्त्र (HIN 301)

पुस्तक 1 : भारतीय काव्यशास्त्र

भारतीय काव्यशास्त्र : स्वरूप और व्याप्ती

काव्य लक्षण,काव्य हेतू और काव्य प्रयोजन

शब्द शक्तिया, काव्य प्रकार, भारतीय काव्यशास्त्र का योगदान

पुस्तक 2 : भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत

रस,ध्वनी, अलंकार, रीति, वक्रोक्ती, औचित्य

पुस्तक 3 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पाश्चात्य काव्यशास्त्र – स्वरूप और व्याप्ती काव्य लक्षण, काव्य प्रकार,बिंब,प्रतिक और रूपक, प्रमुख पाश्चात्य विचारक, भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तुलना

पुस्तक 4 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत

पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासक्रम अनुकरण और विरेचन सिद्धांत, उदात्तवाद एवं अभिव्यंजनावाद, निर्वैक्तिकता, स्वच्छंदतावाद

मूल्य एवं संप्रेषण सिद्धांत

भारतीय साहित्य (HIN 302)

पाठ्यक्रम

पुस्तक 1 : भारतीय साहित्य की अवधारणा

भारतीय साहित्य की संकल्पना एवं स्वरूप,विभिन्न भाषिक भारतीय साहित्य,भारतीय साहित्य- परंपरा एवं विकास,भारतीय भाषाओ के साहित्य का अंत:संबंध,भारतीय साहित्य और अनुवाद,भारतीय साहित्य अध्ययन की समस्याए एवं समाधान

पुस्तक 2 : प्रतिनिधिक भारतीय कवि

भारतीय कविता का स्वरूप,रवींद्रनाथ टागोर, सुब्रामन्यम भारती,उमाकांत जोशी, कुसुमाग्रज, अमृता प्रितम

पुस्तक 3: प्रतिनिधिक भारतीय कथाकार

भारतीय कथा का विकासक्रम,सआदत हसन मंटो और इस्मत चुगतिया,वि.स.खांडेकर,यु.आर. अनंतमूर्ती, महाश्वेता देवी,तक्षी शिवशंकर पिल्ले,

पुस्तक 4: प्रतिनिधिक भारतीय नाटककार

भारतीय नाटक का विकासक्रम,विजय तेंडूलकर, गिरीश कर्नाड,बादल सरकार,पन्नालाल पटेल, दत्ता भगत

हिंदी आलोचना (HIN 303)

पाठ्यक्रम

पुस्तक 1 : हिंदी आलोचना- स्वरूप एवं विकास

हिंदी आलोचना स्वरूप और संकल्पना, हिंदी आलोचना का विकासक्रम, दृष्टी और वृतिया,प्रकार,आलोचना के गुण, आलोचना का महत्व

पुस्तक 2 : हिंदी आलोचना- विविध वाद

हिंदी आलोचना के विविध वादो का विकासक्रम,स्वच्छंदतवाद मार्क्सवाद और यथार्थवाद, मनोविश्लेषणवाद,आधुनिकतावाद, उत्तर संरचनावाद

पुस्तक 3 : हिंदी आलोचना- विविध वाद

हिंदी आलोचना पर पाश्यात्य प्रभाव का विकासक्रम,प्लेटो और अरस्तु,क्रोचे, इलिअट, वर्डस्वर्थ,सार्त्र और कामु

पुस्तक 4 : हिंदी के प्रमुख आलोचक

आ. रामचंद्र शुक्ल,हजारीप्रसाद दिवेदी,नंददुलारे वाजपेयी,रामविलास शर्मा,नामवरसिंह,निर्मला जैन

हिंदी वेब साहित्य (HIN 304)

पाठ्यक्रम

पुस्तक 1 : कंप्युटर (संगणक) प्रणाली- उद्भव और विकास

कंप्युटरपूर्व गणन प्रणाली, कंप्युटर का उद्भव और गणन, कंप्युटर प्रणाली में लेखन का अविर्भाव, कंप्युटर प्रणाली का विकास, कंप्युटर के विविध प्रयोग, कंप्युटर प्रणाली का योगदान

पुस्तक 2 : हिंदी वेब - उद्भव और विकास

विश्व में वेब का अविर्भाव,हिंदी वेबका उद्भव हिंदी वेब प्रयोग के विभिन्न क्षेत्र, हिंदी साहित्य कि प्रमुख वेबसाईटस, हिंदी वेब साहित्य पर प्रकाशित साहित्य का मुल्यांकन, हिंदी वेब साहित्य कि प्रमुख प्रवृतिया

पुस्तक 3 : हिंदी वेब साहित्य

हिंदी वेब साहित्य का उद्भव, सर्च इंजन हिंदी वेब साहित्य के विभन्न प्रकार, हिंदी कि विभिन्न साहित्यिक वेबसाईटस, (रचनाकार,हिंदी समय,अपनी माटी,अनुभूती,सृजनगाथा आदि), वेब साहित्य के प्रमुख रचनाकार, हिंदी वेब का वैश्विक रूप

पुस्तक 4 : भाषा पौधोगिकी – विकास एवं प्रयोग,कंप्युटर साक्षरता, अनुवाद , संपादन, शब्द्कोश, फॉट, पेजीनेशन